

PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – जरूल / कदंबी / प्राइड ऑफ इंडिया

वनस्पतिक नाम (Botanical Name) – *Lagerstroemia speciosa*

कुल (Family) का नाम – Lythraceae



पौधा का स्वभाव

- यह एक पर्णपाती (deciduous) वृक्ष है, जो गर्म जलवायु में तेजी से बढ़ता है।
- ऊँचाई लगभग 10–20 मीटर तक होती है।
- तना – सीधा, धूसर छाल वाला, समय के साथ छिलकर उतरता है।
- पत्तियाँ – चौड़ी, चमकदार और गहरे हरे रंग की; शरद ऋतु में झड़ जाती हैं।
- फूल – बड़े, आकर्षक और बैंगनी या गुलाबी रंग के गुच्छों में खिलते हैं (अप्रैल से जून तक)।
- फल – गोल आकार का कैप्सूल जैसा, जिसमें छोटे-छोटे बीज होते हैं।

✂ उपयोग

1. सजावटी उपयोग 🌸

- सुंदर फूलों के कारण इसे “Queen’s Flower” या “Pride of India” कहा जाता है।
- बगीचों, पार्कों और सड़कों के किनारे शोभा वृक्ष के रूप में लगाया जाता है।

2. लकड़ी का उपयोग 🌳

- इसकी लकड़ी मजबूत, टिकाऊ और हल्की होती है।
- फर्नीचर, नौकाएँ, दरवाजे, और घरेलू वस्तुएँ बनाने में प्रयुक्त।

3. पर्यावरणीय उपयोग 🌿

- वायु शुद्धिकरण और हरियाली बढ़ाने में सहायक।
- शहरों में धूल और प्रदूषण सहनशील वृक्ष।



औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)



आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में अत्यंत उपयोगी पौधा

1. पत्तियाँ 🌿

- मधुमेह (Diabetes) के उपचार में — इनसे तैयार अर्क रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है।
- वजन घटाने और शरीर से विषैले तत्वों को निकालने में सहायक।
- सूजन, घाव और फोड़े-फुंसियों पर लेप के रूप में उपयोग।

2. छाल (Bark) 🌳

- डायरिया, बुखार और त्वचा रोगों में उपयोग।
- टॉनिक के रूप में यकृत (लिवर) के स्वास्थ्य हेतु प्रयुक्त।

3. फल और बीज 🌰

- मूत्र संबंधी विकारों में लाभदायक।
- बीज पाउडर पारंपरिक औषधियों में मधुमेह के लिए दिया जाता है।

4. फूल 🌸

- ठंडक देने वाले और रक्त शुद्ध करने वाले माने जाते हैं।

⚠ सावधानी

- सभी औषधीय उपयोग केवल योग्य वैद्य या आयुर्वेद विशेषज्ञ की देखरेख में करने चाहिए।
- अत्यधिक सेवन से पेट संबंधी विकार या एलर्जी हो सकती है।

🌸 विशेष तथ्य

- यह पौधा भारत, श्रीलंका, दक्षिण-पूर्व एशिया और फिलीपींस का मूल निवासी है।
- फिलीपींस का राष्ट्रीय वृक्ष भी है।
- वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इसकी पत्तियों में मौजूद कोरोसोलिक एसिड (corosolic acid) मधुमेह-रोधी (anti-diabetic) गुण रखता है।